स्त्रीलिंग - जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

* ईकारान्त संज्ञाएँ - नदी, लड़की, टोपी, कॉपी
* ऊकारान्त संज्ञाएँ - बालू, दारू, लू
* अनुस्वारान्त संज्ञाएँ - जूं, सरसों, भौं
* सकारान्त संज्ञाएं - प्यास, मिठास
* कृदन्त नकारान्त संज्ञाएं - रटन, सूजन, जलन, पहचान

* जिन भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में ट, वट, हट हो।

झंझट, सजावट, बनावट, आहट, घबराहट

* कुछ शारीरिक अवयवों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

कोहनी, कलाई, नाक, आँख, जीभ, बाँह, भौं

* चाँदी धातु स्त्रीलिंग है।

* झीलों और नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते है।

डल, चिल्का, वूलर, गंगा, यमुना, सरस्वती

(ब्रह्मपुत्र, सिन्धु, सोन, सतलज - पुल्लिंग)

* मसालों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

लौंग, इलायची, मिर्च, हल्दी, सुपारी

[पुल्लिंग - धनिया, नमक, केसर, तेजपत्ता, कपूर, जीरा]

* खाने पीने की चीजें स्त्रीलिंग होती है

दाल, खीर, पकौड़ी, कढ़ी, पूरी, चपाती (रोटी)

(पुल्लिंग-पराठा, भात, दही, रायता)

* भाषा, बोली और लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होते है

हिन्दी, अरबी, फारसी, ब्रज, देवनागरी, गान्धारी, पहाड़ी, पंजाबी

* मान का मती
वान का वती

धनवान - धनवती

आयुष्मान - आयुष्मती

श्रीमान - श्रीमती

बुद्धिमान - बुद्धिमती

बलवान - बलवती

कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो सदैव पुल्लिंग या स्त्रीलिंग होते हैं किन्तु उनका लिंग परिवर्तन करने के लिए नर/मादा का प्रयोग किया जाता है।

पुल्लिंग	-	स्त्रीलिंग
मगरमच्छ	-	मादा मगरमच्छ
नर हिपकली	-	हिपकली
नर मछली	-	मछली
गैंडा	-	मादा गैंडा
भालू	-	मादा भालू

अभिनेता - अभिनेत्री

रचयिता - रचयित्री

कर्ता - कर्त्री

दाता - दात्री

कवि - कवयित्री

सम्राट - साम्राज्ञी

साधु - साध्वी

वीर - वीरांगना

विद्वान - विदुषी